

ग्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग् II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (i

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 86]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1976/फाल्गुन 2, 1897

No. 86] [ NEW, DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1976/PHALGUNA 2, 1897

स भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF COMMERCE ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 21st February 1976

- S.O. 132(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—
  - 1. (1) This Order may be called the Imports (Control) Second Amendment Order, 1976.
  - (2) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.
- 2. In item (ii) of sub-clause (3) of clause 5 of the Imports (Control) Order, 1955, after the proviso, the following further proviso shall be inserted namely:—

Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to licences issued to eligible export houses for import of goods meant for disposal to actual users under the import policy for registered exporters;".

[No. F. 1/3/REP/74-EPC(Pt.)]

P. K. KAUL,

Chief Centroller of Imports and Exports.

### वाणिज्य मंत्रालय

#### ग्रादेश

### द्यायात न्यापार नियं**त**ण

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1976

का॰ बा॰ 132 (ब).---प्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) द्वारा प्रदक्ष प्रधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्कारा प्रायात (नियंद्रण) आहेश, 1955 में और आग संशोधन करने के लिए निम्नलिखित छादेण का निर्माण करते हैं, प्रयात .---

- (1) इस ग्रादेश को श्रायात (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन ग्रादेश, 1976 की मञा दो आपए।
  - (2) यह सरकारी राजपत्र मे प्रकाशन की तारोख को लागृहोगा।
- 2. भाषात(नियंद्रण) भ्रादेण, 1955 की धारा 5 की उप-धारा (3) की मद संस्या
  - (2) में परन्तुक के बाद निम्नलिखित श्राँग परन्तुक को जोड़ा जाएगा श्रथींत् :--''श्रौर बश्रतें कि इस उप-धारा की मद (1) श्रौर (2) के श्रन्तगंत शर्ते उन
    लाइसेंसों के सम्बन्ध में भी लागू नहीं होंगी जो पाल निर्यात सदनों को
    पंजीकृत निर्यातकों के लिए श्रायात नीति के श्रधीन धास्तिषक उपयोक्ताओं
    को बचने के उद्देश्य से भाल के श्रायात के लिए जारी किए गए है।'

[सं० फा॰ 1/3/प्राप्ट ईपी/74-ईपीसी (भाग)]

पी० के० कौल, मुक्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात ।